दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 06
अंकः- 187
मुरादाबाद
(Tuesday)
27 October 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जनता दर्शनः सीएम योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को शीघ्र समाधान कराने के दिए निर्देश

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोगों की समस्याएं सुनीं। सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने संबंधित अधिकारियों को जन-समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जन-समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने जनता दर्शन में लोगों की शिकायतों और समस्याओं को सुना और अधिकारियों से उनके त्वरित समाधान पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जन-समस्याओं के निस्तारण में प्राथमिकता बरती जाए, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके।

सीएम योगी ने लिखी पाती, बोले- मन से टूटें ऊंच-नीच की दीवारें, तभी साकार होगा समरस समाज

महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पाती लिखकर सामाजिक समरसता और समानता का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को अपनाने और किसी भी प्रकार के भेदभाव से दूर रहने का संकल्प लेने की अपील की। कहा कि मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का सपना साकार होगा।सीएम योगी आदित्यनाथ ने महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों के नाम पाती लिखकर उनके विचारों, आदर्शों और सामाजिक समरसता के संदेश को आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि केवल भारतीय संस्कृति के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के महान मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत हैं। रामायण के माध्यम से उन्होंने सत्य, धर्म, मर्यादा और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश दिया।

सीएम ने युवाओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने और किसी भी प्रकार के भेदभाव से दूर रहने का संकल्प लेने की अपील की। कहा कि जब मन से ऊंच-नीच की दीवारें टूटेंगी, तभी समरस समाज का सपना साकार होगा।श्रीराम के जीवन से मिलता है समानता और बंधुत्व का संदेश- सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीराम के चरित्र में प्रेम, न्याय, समरसता और बंधुत्व पर आधारित आदर्श समाज की परिकल्पना दिखाई देती है। उन्होंने निषादराज गुह के साथ भगवान श्रीराम की आत्मीय मित्रता का उदाहरण देते हुए सामाजिक समानता और आपसी सम्मान का संदेश दिया।सीएम ने रामायण की पंक्ति तत्र राजा गुहो नाम रामस्यात्मसमः सखा का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक पहचान से ऊपर उठकर सम्मान और समानता का भाव ही समाज को जोड़ता है। उनके अनुसार, समाज में किसी भी व्यक्ति के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए।महर्षि वाल्मीकि के स्थलों के विकास पर जोर- सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज के प्रत्येक वर्ग के उत्थान के लिए काम कर रही है। महर्षि वाल्मीकि के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और उनसे जुड़े पवित्र स्थलों के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

उन्होंने चित्रकूट में महर्षि वाल्मीकि के साधना स्थल के विकास की पहल और बिठूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम के पर्यटन विकास एवं संरक्षण के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख किया। अयोध्या के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखे जाने को भी उनकी विरासत को सम्मान देने वाला कदम बताया। कहा कि महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश उनकी महान विरासत के प्रति सम्मान का प्रतीक है।

वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सरकार के प्रयासों का जिक्र

सीएम ने कहा कि सरकार वंचित और पिछड़े वर्गों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए निरंतर काम कर रही है। स्वच्छताकर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए योजनाएं संचालित की जा रही हैं। वहीं, वनटांगिया गांवों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया गया है और मुसहर, कोल, थारू तथा घुमंतू समुदायों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने वंचित समाज के पात्र परिवारों को भूमिधरी अधिकार उपलब्ध कराने का भी उल्लेख किया। कहा कि, इन प्रयासों का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक जीवन का आधार देना और समाज में समान अवसर सुनिश्चित करना है।महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सीएम ने सामाजिक समरसता, समानता और न्याय के मूल्यों को अपनाने का संदेश देते हुए कहा कि आदर्श समाज के निर्माण के लिए हर व्यक्ति को भेदभाव से ऊपर उठकर मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता देनी होगी।

संक्षिप्त समाचार

साक्ष्यों के अभाव में बरी हुए राहुल गांधी, 14 मिनट रहे कोर्ट के अंदर; 10 मिनट में जज ने बताया मामला

राहुल गांधी सुल्तानपुर कोर्ट से बरी हो गए। उन पर अमित शाह पर मानहानि करने का आरोप था। राहुल गांधी सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट से आज बरी हो गए। उन पर अमित शाह पर टिप्पणी करने का आरोप था। यह मामला 2018 से चल रहा था। राहुल इस मामले में पहले भी कोर्ट में पेश हो चुके थे। सोमवार को वह कोर्ट परिसर में 11 बजकर 19 मिनट में दाखिल हुए। 11 बजकर 33 मिनट में वह कोर्ट से बाहर आ गए। कोर्ट के अंदर लगभग दस मिनट में जज ने पूरे मामले को बताते हुए यह जानकारी भी दी कि उन्हें क्यों बरी किया गया। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत में हुआ फैसला- गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि के मामले में आज सोमवार को एमपी-एमएलए कोर्ट का फैसला आया। स्पेशल मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने मामले में राहुल गांधी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया है। कोर्ट के फैसले पर राहुल गांधी के समर्थकों ने आभार प्रकट किया एवं खुशी जताई।कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्र ने साल 2018 में राहुल गांधी के जरिये गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई टिप्पणी से नाराज होकर मानहानि का मुकदमा दायर किया था। मामले का ट्रायल एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रहा था।

कैराना में ओवैसी ने सपा-कांग्रेस पर साधा निशान,बोले`- एआईएमआईएम योगी को तीसरी बार ब्ड बनते नहीं देखना चाहते

शामली के कैराना में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सपा, कांग्रेस, बसपा और आप पर निशाना साधा। कहा- अल्पसंख्यक समाज को अपना राजनीतिक नेतृत्व खड़ा करना होगा।शामली के कैराना में एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने अल्पसंख्यक समाज के राजनीतिक नेतृत्व का मुद्दा उठाते हुए समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब तक अब्दुल नेता नहीं बनेगा, मसलों का हल नहीं होगा। ओवैसी ने यह भी कहा कि उनकी पार्टी योगी

आदित्यनाथ को तीसरी बार मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहती।कैराना में ओवैसी ने उठाया राजनीतिक नेतृत्व का मुद्दा- शामली। एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कैराना में आयोजित जनसभा के दौरान प्रदेश की राजनीति में अल्पसंख्यक समाज की भागीदारी और नेतृत्व का मुद्दा उठाया। तितरवाड़ा रोड स्थित मैदान में जनसभा के लिए पहुंचे ओवैसी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब तक अब्दुल नेता नहीं बनेगा, तब तक समाज के मसलों का हल नहीं होगा।उन्होंने रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याओं और जमीन से जुड़े विवादों का जिक्र करते हुए कहा कि इन मुद्दों के समाधान के लिए समाज का अपना राजनीतिक नेतृत्व होना जरूरी है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल चाहते हैं कि अल्पसंख्यक समाज उन्हें वोट तो दे, लेकिन अपने मुद्दों पर उनसे सवाल न पूछे।ओवैसी ने कहा कि एआईएमआईएम योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनते नहीं देखना चाहती। उन्होंने पहले भी कहा है कि जो दल योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनने से रोकना चाहते हैं, एआईएमआईएम उनके साथ जाने को तैयार है।2014, 2017, 2019, 2022 और 2024 की चुनावी जीत का उल्लेख करते हुए विपक्षी दलों की रणनीति पर सवाल उठाए। उनका कहना था कि प्रदेश की राजनीति में चुनाव लड़ने और राजनीतिक गठजोड़ को लेकर सभी दलों के लिए समान मापदंड होने चाहिए। एआईएमआईएम प्रमुख ने समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, बसपा और आम आदमी पार्टी के चुनाव लड़ने को लेकर भी सवाल उठाए।

पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी समेत कई नेता हुए सपाई, अखिलेश यादव बोले- जॉइनिंग से पूरब-पश्चिम हिल गया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में कुशाग्र शाक्य और बदायूं के विनोद शाक्य ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बसपा नेता राम बहादुर पाल सहित अन्य दलों के कई नेता और कार्यकर्ता भी सपा में शामिल हुए। इस घटनाक्रम से उत्तर प्रदेश की राजनीति में सपा की गतिविधियां चर्चा में हैं।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता के दौरान विभिन्न दलों से आए नेताओं का स्वागत किया। पूर्व आईएएस राम बहादुर पासी, कुशाग्र शाक्य, विनोद शाक्य और बसपा से जुड़े राम बहादुर पाल समेत कई नेताओं ने सपा की सदस्यता ग्रहण की। अखिलेश यादव ने कहा कि नई जॉइनिंग से पूरब से पश्चिम तक राजनीतिक हलचल हुई है। उन्होंने नए साथियों को पीडीए का पिलर बताते हुए कहा कि आने वाले समय में जीत बड़ी होने जा रही है। दारा सिंह प्रजापति का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जिनके साथ दारा होंगे, अखाड़ा वही जीतेंगे। उन्होंने राम नाम का जिक्र करते हुए कहा, जिनके नाम में राम जुड़ा हो, उनके बन जाएंगे सब

काम।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोटर लिस्ट में धांधली और वोट डकैती कर रही है। अखिलेश ने कहा कि एक ही नाम की कई जिलों में एंट्री सामने आ रही हैं और मतदाता सूची को लेकर आयोग की जिम्मेदारी है कि कोई पात्र मतदाता छूटे नहीं और किसी गलत नाम की एंट्री न हो। अखिलेश यादव ने मतदाता सूची को आधार से जोड़ने और बूथ स्तर पर बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि मतदाता पहचान पत्र ऐसा होना चाहिए, जिसकी नकल बनाना आसान न हो। उन्होंने भाजपा और चुनाव आयोग के बीच मिलीभगत का आरोप भी लगाया। अखिलेश ने कुछ नामों के उदाहरण देते हुए मतदाता सूची में बड़ी संख्या में एंट्री होने का दावा किया। उन्होंने कहा कि आयोग को तकनीक की मदद से ऐसी गड़बड़ियों की जांच करनी चाहिए। कानून-व्यवस्था और आरक्षण को लेकर सरकार पर निशाना- सपा अध्यक्ष ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि उन्हें कुछ हत्याओं के कारणों की जानकारी नहीं है, लेकिन उनके अनुसार देश में कानून-व्यवस्था की स्थिति सबसे खराब है। उन्होंने आरक्षण में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाते हुए टीजीटी भर्ती का भी जिक्र किया। अखिलेश ने भाजपा पर चुनाव में घुसपैठ का मुद्दा उठाने और सीमाओं की सुरक्षा के मामले में विफल रहने का आरोप लगाया।

किसानों की समस्याओं पर गरजे राकेश टिकैत, बोले- खेती से मोहभंग कराने की कोशिश

प्रयागराज के मुंडेरा में आयोजित किसान क्रांति महापंचायत में भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों की समस्याएं उठाईं।

खाद, बिजली, पानी की कमी और जमीन अधिग्रहण के मुद्दे पर सरकार को घेरा। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है।भारतीय किसान यूनियन की ओर से प्रयागराज के मुंडेरा में किसान क्रांति महापंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौधरी राकेश टिकैत ने किसानों की समस्याओं को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने खाद, बिजली और पानी की उपलब्धता का मुद्दा उठाते हुए किसानों को हो रही परेशानियों पर चिंता जताई। जमीन अधिग्रहण और उचित मूल्य का उठाया मुद्दा-चौधरी राकेश टिकैत ने आरोप लगाया कि सरकार जमीन अधिग्रहण के नाम पर किसानों की जमीन ले रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। इससे खेती के प्रति किसानों का मोहभंग हो रहा है। कहा कि सरकार किसानों को खास तौर पर युवाओं को खेती से दूर करने का प्रयास कर रही है। टिकैत ने आशंका जताई कि ऐसी परिस्थितियों में किसान खेती को घाटे का सौदा मानकर अपनी जमीन उद्योगपतियों को कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे किसान जमीन अधिग्रहण का विरोध करने के बजाय सरकार की ओर से तय की गई दरों पर सहमत होने की स्थिति में आ सकते हैं।

संपादकीय Editorial

For Employees

This Diwali, the lights of Diwali will bring a happy feeling to government employees. At least the Himachal government has given employees a total installment of 5% DA to defeat the demon of inflation. More than just how much the dearness allowance payment refreshes the dryness of employee hopes, it's more about the government ensuring employees' share of the burden amid its financial difficulties and financial constraints. For some time now, there has been pressure from the working class to have various payments credited to their accounts. Before making the announcement, Chief Minister Sukhwinder Singh Sukhu mentioned Himachal's economic situation, the central government's behavior, and various government initiatives. It must be acknowledged that the largest expenditure on running the government falls on the accounts of government employees and pensioners. The government can try every trick in the book to be captivating in its fourth term, and we can see a beginning of this in the dearness allowance installment. Previously, the cabinet meeting opened the way for appointments to hundreds of vacant positions. We have already stated that the government will surprise with every move in its list of gifts. The government will demonstrate its strength through a fresh perspective on issues and the swiftness of solutions. While the economic shackles haven't yet been broken, and the state needs to borrow, every calculation will involve expenditure before embarking on the election path.

The government risks systemic change in every argument and creates a political climate based on this. While the government has certainly taken some significant decisions in search of economic resources, the road to self-reliance remains a long way off. The government is seeking its rights over water, forests, and the environment. The 400 crore rupees that arrived at the Wildflower Hall, determining its share of state assets, and the agreements signed with a new pen for power projects, raise hopes. While the government may have its own priorities regarding self-reliance, the rising debt is approaching 1 lakh crore, the economic outlook is alarming. The Chief Minister himself has stated that 70% of the budget is spent on employee salaries, allowances, pensions, and liabilities. So, where will the money come from for other issues, including progress and debt relief? The Sixteenth Finance Commission has already denied the RDG's appeal against Himachal's special status. The state isn't accustomed to increasing fees, although fees for government services are indirectly rising. In such a situation, if schemes are enacted that encourage private investment, self-employment, and business, youth will find employment. Otherwise, the code of conduct for government employment in Himachal is already irrelevant due to the number of appointments far exceeding the national average. However, the state treasury has laid a carpet for those working in government offices. It's a different matter that such carpets neither hide the thorns of reality nor break the thorns of economic irony.

...... Rest of the article from the previous issue

The journey from black and white television to 4G-5G mobile telephone devices has completely changed the landscape of life.

With the spread of the Internet, much information is now available through computers.

E-mail services have transformed the way messages are sent. Internet-based services have simplified travel card booking, financial transactions, buying and selling goods, and much more. Websites and digital news media have expanded the options for accessing information.

In the early days of the internet, its speed was limited. It took time to connect with multiple locations, and downloading large files was time-consuming. However, technological advances have made the internet faster and easier.

The internet has also opened up new possibilities in education. Students can access study materials, listen to lectures from remote experts, and gain information on various topics.

For businesses, the internet has also provided new marketing opportunities. Small businesses have been able to share details of their products and services with more people.

The Age of Mobile Telephones: All Convenience at Hand - The advent of mobile phones ushered in a new chapter in communication. Previously, to make a phone call, you had to rely on your home, office, or public telephone. Mobile phones have helped people stay in touch while on the go.Early mobile telephone devices were larger and heavier than today's smartphones. They were also more expensive. Mobile phone service wasn't accessible to everyone. The cost of calls and the availability of web connectivity were major limitations. Over time, mobile phones became smaller, more convenient, and more functional. They included messaging, contact list maintenance, photo taking, and other features.were. Later, mobile phones with photography and internet capabilities became popular. Mobile phone devices have become more than just a means of communication, but a tool for information, entertainment, and success.

Mobile phons have also transformed social relationships. Quick communication with distant family members has become possible. Requesting help in an emergency has become easier. Business contacts and office communications have become faster.

Smartphone Devices: Multiple Features in a Single Device Mobile telephony technology has reached new heights with smartphone devices. This single device offers numerous uses, including making phone calls, taking photos, keeping time, calendars, listening to music, using the internet, and navigating.

Today, people can take photos, create visual images, read documents, view news, send money over the internet, and communicate visually with people far away using their mobile phone devices.

Smartphone devices have created numerous opportunities for small business owners, students, teachers, farmers, journalists, and employees.

Farmers can access weather and farming information. Students can search for study materials. Businesses can stay in touch with customers. Journalists will be able to send photos, footage, and news materials from the site. In the past, preparing news and sending it to the office took a lot of time. Today, information can be sent directly from the site using a smartphone. However, it is important to verify the authenticity of the news before publishing it.

In this way, smartphone devices have not only increased the speed of work but also increased the responsibility to use them correctly.

4G Technology: Internet Speed ??Changes Experience - The fourth generation of mobile telecommunications, 4G technology, has made internet use even more accessible and convenient. Its increased speed has made viewing visual images, engaging in visual conversations, studying online, and sending large files easier than ever before. 4G networks have made internet access on mobile phones an essential part of everyday life. The use of internet entertainment, digital money transactions, social media, internet communication, and various digital services has increased.

Previously, viewing a visual image or downloading a file took a long time. With a good network connection and the right device, many tasks can be completed in less time. The proliferation of 4G networks has increased the use of digital services in smaller cities and towns. People have started using mobile phone devices to read news, access government schemes, access financial services, and conduct business online.

However, actual internet speeds vary depending on location, network capacity, device, code, and the number of people using the network at the same time. Therefore, the experience is not necessarily the same in all areas.

5G Technology: Towards Faster Communication and New Opportunities 5G is the fifth generation of mobile telephony networks. This technology has been developed to enable higher-capacity communication, lower latency, and faster data transfer speeds under optimal conditions.

5G technology is not limited to high-speed internet access on mobile phone devices. In the future, it could be used in industrial automation, interconnected devices, intelligent transportation, remote monitoring, and the development of various digital services.

5G networks will help better support high-quality visuals, internet-based games, virtual experiences, and numerous data-driven services. However, the true benefits of these features depend on network availability, devices, and connected services.

India launched 5G services in October. Telecom companies have since expanded their networks in different cities and regions. Many modern mobile phone devices now support 5G technology.

However, simply purchasing a 5G-enabled mobile phone device does not guarantee high-speed internet access everywhere. This requires the presence of a 5G network in the area, the right device, active service, and good conditions.

Both 4G and 5G technologies play a vital role in today's digital life. They have simplified many tasks in communication, education, business, and entertainment.

Major changes in the field of journalism - The development of technology has significantly altered the nature of newspapers and journalism. The old practice remains the same: to gather data, journalists would visit the scene, write down details in a notebook, and send the information to the news office through existing communication methods.

The development of telephones, copiers, computers, the internet, and mobile phones has significantly accelerated the reporting process. Journalists can now send photos, footage, documents, and news materials from the scene to the office.

Digital news channels have allowed readers to quickly access details of events. Along with print newspapers, websites, mobile phone applications, and other digital media have become essential tools for disseminating news. But this change has also raised a significant question: Much unverified information spreads rapidly on social media. Therefore, the core responsibilities of journalism have become more important than ever. Whether news is broadcast in the era of black-and-white television or reaches thousands of people in a matter of moments via 5G networks, its credibility, facts, and immediacy are what make it useful.

InThe Impact of Technology on Family Relationships and Social Life - The development of technology has made public life much easier. Now it's possible to communicate with family members living far away instantly. You can see each other through visual communication. Family members living abroad can also participate in family events through digital channels.

But the rapid expansion of technology has also raised new challenges for social life.In the past, family members would sit together in the evenings and talk. Children would play outside, and people would have time to socialize. Today, in many homes, family members are sitting in the same room, yet everyone seems to be busy with their mobile phone devices.This situation isn't the same for all family members, although excessive use of mobile phone devices can directly impact communication, sleep, studies, and family time.

Some people, seeing pictures of others' lives on social media, begin to compare their lives with others. Misinformation, internet fraud, and misuse of personal information are other major problems.

Therefore, the proper use of technology is essential. Keep mobile phones away from family members, but instead connect family members, increase knowledge, and complete work tasks.

Memories of the older generation and the digital world of the younger generation - For today's young generation, smartphone devices, the internet, and internet-based entertainment are part of everyday life. Many children use digital devices from an early age. On the other hand, many members of the older generation lived in the era of radio, black and white television, letter writing, and fixed telephones.

मुरादाबाद में लव अफेयर में मर्डर: गर्लफ्रेंड के घर मिली युवक की लाश, केरल से छुट्टी पर आया था घर

मुरादाबाद के पाकबड़ा क्षेत्र में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक अयान की गला दबाकर हत्या कर दी गई। उसका शव पड़ोसी रहीश के घर से बरामद हुआ, जहां से पूरा परिवार गायब मिला; पुलिस मामले की जांच कर रही है प्रेम प्रसंग में युवक अयान की हत्या।

शव पड़ोसी रहीश के घर से बरामद। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही।पाकबड़ा क्षेत्र के समाथल गांव में प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक की गला दबाकर हत्या कर दी। युवक का शव रविवार देर रात करीब पौने दो बजे पड़ोस में रहने वाले रहीश के घर से बरामद हुआ। शव मिलने के समय रहीश के परिवार के सभी सदस्य घर से गायब थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अयान का परिवार मूल रूप से अमरोहा जिले के डिडौली क्षेत्र का रहने वाला है। परिवार पिछले करीब चार वर्षों से पाकबड़ा के समाथल में रह रहा है। अयान केरल में सैलून पर काम करता था और इन दिनों छुट्टी पर घर आया हुआ था। स्वजन के अनुसार, रविवार शाम करीब पांच बजे से अयान अचानक लापता हो गया था।स्वजन ने तलाश शुरू की

काफी देर तक उसके घर नहीं लौटने पर स्वजन को चिंता हुई और उन्होंने उसकी तलाश शुरू कर दी। परिवार के लोग आसपास के इलाकों में उसे खोजते रहे। इसी बीच मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची और युवक की तलाश शुरू की गई। तलाश के दौरान रविवार देर रात करीब पौने दो बजे अयान का शव पड़ोस में रहने वाले रहीश के घर पर मिला।स्वजन का आरोप, अयान की गला दबाकर की हत्या

स्वजन का आरोप है कि अयान की गला दबाकर हत्या की गई है। जिस घर में युवक का शव मिला, वहां रहीश के परिवार का कोई सदस्य मौजूद नहीं था। परिवार के लोगों के गायब होने के कारण मामले को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं।प्रारंभिक जांच में घटना को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि, हत्या के पीछे की असल वजह क्या है और इसमें कौन-कौन शामिल है, यह पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

पहले दी थी देख लेने की धमकी: दोस्त ने फोन कर रेलवे ट्रैक पर बुलाया, फरदीन पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला

स्कूटी टकराने के विवाद में गलशहीद थाना क्षेत्र में फरदीन पर रेलवे ट्रैक के पास चाकुओं से जानलेवा हमला किया गया। सिर, गर्दन और पीठ पर चोट लगने से उसकी हालत गंभीर है। परिजनों ने अदीब समेत चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।गलशहीद थाना क्षेत्र के लवीना रेस्टोरेंट के समीप रेलवे ट्रैक पर रविवार की रात दोस्तों ने बुलाकर युवक पर चाकुओं से जानलेवा हमला कर दिया। अचेत होने पर हमलावर उसे छोड़कर भाग निकले। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस की प्राथमिक जांच में आया है कि एक दिन पहले स्कूटी टकराने पर एक युवक से विवाद हुआ था। इस बीच कहासुनी के बाद मामला शांत हो गया। असालतपुरा बड़ा हाता निवासी पेंटर फरदीन उमर (18) रामपुर रोड लवीना रेस्टोरेंट के सामने रविवार की रात नौ बजे लहूलुहान अवस्था में पड़ा था।राहगीरों ने युवक की हालत देखने के बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया। युवक के सिर, गर्दन और पीठ पर कई चाकू लगे थे। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे। परिजनों ने बताया कि फरदीन घर से साढ़े आठ बजे बाइक में तेल भराने के लिए निकला था। पुलिस की जांच में आया कि युवक लवीना रेस्टोरेंट के नजदीक पेट्रोल पंप पर युवक पहुंच गया था। इसी समय उसके दोस्त रिहान ने मोबाइल पर कॉल कर उसे रेलवे ट्रैक पर बुला लिया। रेलवे ट्रैक पर पहले से मौजूद अदीब आलम और एक व्यक्ति ने फरदीन पर चाकुओं से हमला कर दिया। सिर, गर्दन और पीठ पर चोट लगने के बाद युवक बेहोश हो गया। इसके बाद हमलावर उसे छोड़कर भाग निकले। अस्पताल में युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायल युवक के मामा शाने आलम ने बताया कि फरदीन फूलदान पर पेंटिंग करने का काम करता है। शनिवार रात अदीब और उसके भांजे के बीच विवाद होने पर मोहल्ले के लोगों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत करा दिया था। इसके बावजूद रविवार रात उन्होंने फरदीन पर कातिलाना हमला कर दिया। इस मामले में परिजनों ने अदीब सहित चार लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने घटना के बारे में अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से जानकारी ली। बताया कि 24 अक्तूबर की रात बकरी का हाता निवासी अदीब आलम की बाइक से मेहंदी चौराहे पर फरदीन की स्कूटी टकरा गई थी। इसी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। उस समय अदीब ने फरदीन को देख लेने की धमकी दी थी। इस मामले में पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर रही है। हमलावरों की तलाश करने के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं।

कुंदरकी को बड़ी सौगात: कम्युनिटी हॉल से घटेगा शादी का खर्च, गरीब और मिडिल क्लास परिवारों को मिलेगी राहत

मुरादाबाद के कुंदरकी में विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने 1.47 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कम्युनिटी मैरिज हॉल का भूमि पूजन किया।1.47 करोड़ की लागत से हॉल का भूमि पूजन।विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने किया निर्माण शुभारंभ। गरीब, मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगी आर्थिक राहत।नगर पंचायत कुंदरकी के वार्ड संख्या तीन स्थित मोहल्ला कायस्थान में रविवार को विकास कार्य को नई गति मिली। कुंदरकी विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने लगभग 1.47 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले कम्युनिटी मैरिज हॉल का विधिवत भूमि पूजन कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

शासन से स्वीकृत इस परियोजना के पूरा होने पर क्षेत्रवासियों को शादी-विवाह, पारिवारिक कार्यक्रमों और अन्य सामाजिक समारोहों के आयोजन के लिए सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा।कम्युनिटी मैरिज हॉल बनने से खासकर गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत मिलेगी। उन्हें मांगलिक कार्यक्रमों के लिए महंगे निजी बैंक्वेट हॉल और अन्य आयोजन स्थलों पर खर्च नहीं करना पड़ेगा। इससे परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होने के साथ ही नगर में सामाजिक आयोजनों के लिए एक बेहतर सुविधा विकसित होगी।विधायक बोले- आमजन को ही प्राथमिकता- इस अवसर पर विधायक ठाकुर रामवीर सिंह ने कहा कि कुंदरकी विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास और आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। विकास का उद्देश्य केवल सड़क और भवन बनवाना नहीं, बल्कि ऐसी जनोपयोगी सुविधाएं उपलब्ध कराना है, जिनका लाभ सीधे आम जनता को मिले।उन्होंने कहा कि आर्थिक अभाव के कारण किसी परिवार को शादी-विवाह जैसे मांगलिक आयोजनों में परेशानी न हो, इसी सोच के साथ कम्युनिटी मैरिज हॉल जैसी परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।

विधायक ने कहा कि क्षेत्र के गांवों, नगरों और मोहल्लों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी ताकत है और जनहित के कार्यों को गति देना उनकी प्रतिबद्धता है। इस दौरान नगर पंचायत चेयरमैन जीनत मेंहदी, पूर्व चेयरमैन मेंहदी हसन, मंडल अध्यक्ष संजय कश्यप, देव सिंह सैनी, इरशाद पठान, सभासद सहित क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

मुरादाबाद में 1 लाख चालान भी बेअसर! 9 माह में सड़क हादसों में 176 की मौत, 97 ने नहीं लगाया था हेलमेट

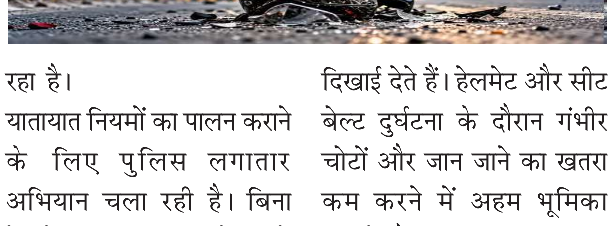

मुरादाबाद में नौ माह में सड़क हादसों में 176 लोगों की जान गई, जिनमें से 97 ने हेलमेट और 20 ने सीट बेल्ट नहीं पहनी थी। लाखों चालान के बावजूद लोग यातायात नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।सीट बेल्ट न बांधने से 20 लोगों की गई जानएक-एक जीवन महत्वपूर्ण है। इस जीवन को सुरक्षित रखने के लिए हर कोई न जाने कितना संघर्ष कर रहा है, मगर मुरादाबाद में बीते नौ माह में 97 लोगों की जान इसलिए चली गई, क्योंकि उन्होंने बाइक चलाते हुए हेलमेट नहीं पहना था पुलिस की सख्ती और चालान के बावजूद लोग यातायात नियमों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिले में नौ माह के दौरान सड़क हादसों में 176 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि 20 लोगों की मौत सीट बेल्ट न बांधने से हुई। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी का सिलसिला थम नहीं रहा है।

यातायात नियमों का पालन कराने के लिए पुलिस लगातार अभियान चला रही है। बिना हेलमेट लगाकर चलने वाले 108599 बाइक सवारों का यातायात पुलिस ने चालान किया है।

जबकि बिना सीट बेल्ट लगाकर कार चलाने पर 4173 वाहनों का यातायात पुलिस अब तक चालान कर चुकी है। इसके बाद भी वाहन चालकों की मनमानी जारी है। दोपहिया वाहन सवारों में हेलमेट लगाने को लेकर लापरवाही साफ नजर आती है।शहर की सड़कों से लेकर हाईवे तक तमाम बाइक सवार बिना हेलमेट के फर्राटा भरते दिखाई देते हैं। हेलमेट और सीट बेल्ट दुर्घटना के दौरान गंभीर चोटों और जान जाने का खतरा कम करने में अहम भूमिका निभाते हैं।

इसके बावजूद कई लोग इन सुरक्षा उपायों को जरूरी मानने के बजाय नजरअंदाज कर देते हैं। खासकर बाइक सवारों की यह लापरवाही जानलेवा साबित हो रही है। हादसे के बाद परिवारों को अपूरणीय क्षति झेलनी पड़ती है।

इस साल बाइक सवारों के हुए सड़क हादसों में जितनी मौत हुई है उसमें लगभग आधे लोगों की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई है। ऐसे में स्पष्ट है कि अगर उन्होंने हेलमेट लगाया होता तो शायद उनकी जान बच जाती।एसपी यातायात रचना मिश्रा ने बताया कि चालकों को जागरूक भी किया जा रहा है और कार्रवाई की जा रही है। लोगों को खुद समझना चाहिए कि वह हेलमेट जरूर लगाए।

नौ माह में 276 बाइकों के हुए हादसे-जिले में एक दो दिन छोड़ दिया जाए तो रोजाना कोई न कोई हादसा हो रहा है। बीते नौ माह में जिले भर में 278 बाइक हादसे हुए है। इन हादसों में 176 लोगों की जान चली गई है। यह वह आंकड़ा है जिसमें पुलिस ने केस दर्ज किया है।

ऐसे भी तमाम मामले होते हैं जिसमें केस दर्ज ही नहीं होता है। ऐसे में यह आंकड़ा और भी बढ़ा है। वही चार पहिया वाहनों के भी 80 से अधिक हादसे हुए है। इसमें 20 ऐसे चालकों की मौत हुई है जो सीट बेल्ट लगाए हुए नहीं थे।

गुजरात में रामपुर के किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव

बिलासपुर। खजुरिया थाना क्षेत्र के गांव नरसुआ निवासी किसान हरनाम सिंह मौर्य (42) की गुजरात में शनिवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह गुजरात में काम कर रहे अपने बेटों से मिलने गए थे।

मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन शव लेने के लिए गुजरात रवाना हो गए। खजुरिया क्षेत्र के नरसुआ गांव निवासी हरनाम सिंह मौर्य (42) के भाई करन सिंह के अनुसार, उनके भाई बुधवार दोपहर करीब तीन बजे अपने बेटों से मिलने गुजरात गए थे। परिजनों के अनुसार, शुक्रवार रात 12 बजे तक हरनाम सिंह से फोन पर बात हुई थी। इसके बाद उनका फोन स्विच ऑफ आने लगा। परिजनों ने इधर-उधर फोन कर जानकारी जुटाने का प्रयास किया, जबकि गुजरात में उनके बेटे रेलवे स्टेशन पर अपने पिता का इंतजार कर रहे थे।शनिवार दोपहर गुजरात के पालनपुर थाने से गांव के एक व्यक्ति के पास फोन आया और हादसे की सूचना दी गई।

इस पर मृतक के भाई करन सिंह ने उसी नंबर पर कॉल कर जानकारी ली। पुलिस ने बताया कि हरनाम सिंह का शव पालनपुर रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों में पड़ा मिला है। मौत की खबर सुनते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई।मृतक के भाई करन सिंह तुरंत एंबुलेंस से गुजरात के लिए रवाना हो गए और रविवार दोपहर करीब तीन बजे पालनपुर पहुंचे। मृतक की पत्नी नीरज देवी और बेटे गौरव, सौरभ व अनमोल का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

जमीन का सौदा करने के बाद भतीजों के नाम किया बैनामा, तीन पर रिपोर्ट दर्ज

बिलासपुर। खजुरिया थाना क्षेत्र के गांव अहरो जदीद में जमीन के सौदे में धोखाधड़ी के मामले में पुलिस अधीक्षक के आदेश पर तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।ग्राम अहरो निवासी बृजपाल सिंह और रवि बाबू ने खजुरिया थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि ग्राम अहरो जदीद निवासी पूरन कृषि भूमि खसरा संख्या 297, रकबा 0.1580 हेक्टेयर और लगान 7.80 रुपये के भूमिधर काश्तकार व खातेदार हैं।आरोप है कि पूरन ने अपनी इस भूमि को आठ लाख रुपये में बेचने का सौदा उनसे किया था। इसके लिए दो लाख रुपये बयाना लेकर 17 अगस्त 2026 को पंजीकृत इकरारनामा कराया गया था, जो उपनिबंधक कार्यालय में दर्ज है।आरोप है कि इसके बावजूद पूरन ने तीन सितंबर को उक्त भूमि का बैनामा अपने भतीजों अमित कुमार और दीपेश मौर्य निवासी ग्राम अहरो के नाम कर दिया। बृजपाल सिंह और रवि बाबू ने इसे अपने साथ धोखाधड़ी बताया है। सीओ पीपी सिंह ने बताया कि पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत, परिजनों का हंगामा

दढ़ियाल। दढ़ियाल में निर्माणाधीन मकान में मजदूरी कर रहे 30 वर्षीय राजू की रविवार सुबह 33 केवी हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। परिजनों ने ठेकेदार की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया और पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। पुलिस के समझाने पर परिजन राजी हुए, जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। गांव मुवाना निवासी राजू रविवार सुबह दढ़ियाल स्थित स्टेडियम के पास एक ठेकेदार के निर्माणाधीन मकान में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान वह पड़ोस से गुजर रही 33 केवी विद्युत लाइन की चपेट में आ गया और बेहोश होकर गिर पड़ा। पास में ही मजदूरी कर रहे उसके पिता धन सिंह को घटना की जानकारी मिली तो वह मौके पर पहुंच गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई।परिजन आनन-फानन में उसे एंबुलेंस से टांडा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन उसे मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल ले गए, लेकिन वहां भी चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर टांडा कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह और चौकी प्रभारी अमित कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे।इस बीच मृतक के परिजन, महिलाएं और रिश्तेदार अस्पताल में एकत्र हो गए। परिजनों ने ठेकेदार की गिरफ्तारी की मांग करते हुए पोस्टमार्टम के लिए शव ले जाने से इन्कार कर दिया। विरोध के दौरान महिलाएं एंबुलेंस के आगे खड़ी हो गईं। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। काफी देर तक चली बातचीत के बाद परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए, जिसके बाद शव को मोर्चरी भेज दिया गया।मृतक के भाई रवि ने पुलिस को तहरीर देकर दो ठेकेदारों समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीओ टांडा पंकज पंत ने बताया कि मामले में दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।अगले महीने होनी है बहन की शादी- राजू की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मृतक दो भाइयों और तीन बहनों में दूसरे नंबर का था। उसका बड़ा भाई रवि पेट्रोल पंप पर काम करता है, जबकि पिता धन सिंह राजमिस्त्री के साथ मजदूरी करते हैं। राजू की पत्नी राखी, चार वर्षीय बेटा युग और बेटी नायरा हैं। परिवार में अगले महीने बहन सोनम की शादी होनी है। घर में शादी की तैयारियों को लेकर खुशी का माहौल था, लेकिन हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। पिता धन सिंह, मां मंगिया, भाई रवि, पत्नी राखी और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

भोट। रामपुर-काठगोदाम नेशनल हाईवे पर शनिवार देर रात सनकरा गांव के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से 25 वर्षीय बाइक सवार युवक की मौत हो गई। मुरादाबाद जिले के मूंढापांडे थाना क्षेत्र के भजनपुरी निवासी अंकुर (25) पुत्र अवनीश एक निजी फैक्टरी में काम करता था। शनिवार देर रात करीब 12:50 बजे वह बाइक से रामपुर से बिलासपुर की ओर जा रहा था। रामपुर-काठगोदाम नेशनल हाईवे पर सनकरा गांव के पास बने कट से आगे बढ़ते ही किसी अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अंकुर गंभीर रूप से घायल हो गया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

दिल्ली रैली की तैयारियों को लेकर अलीगढ़ में हुई जोनल बैठक

बरेली से कांग्रेस नेता हुए शामिल

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असफाक सक्लेनी के नेतृत्व में बरेली के तमाम कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता अलीगढ़ में आयोजित जोनल बैठक में शामिल हुए। बैठक में आगामी 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली रैली की तैयारियों और कार्यकर्ताओं की भागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद, पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद तथा बृज प्रांत के शहर प्रभारी एवं पूर्व विधायक कुणाल चौधरी ने

आगामी रैली को लेकर रणनीति तैयार की। नेताओं ने रैली में अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने तथा संगठनात्मक स्तर पर तैयारियों को गति देने पर चर्चा की।बैठक में बरेली सहित संबंधित क्षेत्रों से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की दिल्ली रैली में सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यारूप से महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा,प्रवक्ता पंडित राज शर्मा,अजय शुक्ला, चौधरी आलम मिया ,हाजी इस्लाम बब्बू,जुनैद हसन एडवोकेट, डॉक्टर हरीश गंगवार, राजेंद्र सागर, कृष्ण कांत शर्मा इलियास अंसारी , मुजम्मिल राजा खान, प्रोफेसर अलाउद्दीन खान,जहीरूद्दीन मुन्ना,मोहम्मद आरिफ, नफीस अंसारी, लिटिल गुप्ता,आदि मौजूद रहे ।

तीन दिवसीय थिएटर वर्कशॉप में कफ़न, पंचलाइट ने छाप छोड़ी, प्रतिभागियों को सौंपे गए प्रमाणपत्र

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) । एसआरएमएस रिद्धिमा ए सेंटर ऑफ परफॉर्मिंग एंड फाइन आर्ट्स में आयोजित तीन दिवसीय थिएटर वर्कशॉप का समापन किया गया। थिएटर विशेषज्ञ एवं निर्देशक राघव जोशी के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में 42 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला के अंतिम दिन प्रतिभागियों को दो टीमों में विभाजित कर दो नाटकों का मंचन किया गया। पहली प्रस्तुति मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'कफ़न' पर आधारित थी, जबकि दूसरी प्रस्तुति फणीश्वरनाथ रेणु की प्रसिद्ध

कहानी 'पंचलाइट' पर आधारित रही। दोनों नाटकों के माध्यम से प्रतिभागियों ने पिछले दो दिनों में सीखे गए अभिनय कौशल, संवाद अदायगी और मंचीय बारीकियों का प्रदर्शन किया। समापन अवसर पर चेयरमैन सर, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज कुमार एवं डॉ. रीता शर्मा उपस्थित रहे।

इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों की रचनात्मकता, आत्मविश्वास और अभिनय क्षमता को विकसित करना तथा उन्हें रंगमंच की व्यावहारिक बारीकियों से परिचित कराना था।

बिजली विभाग ने चलाया बकाया वसूली अभियान, 45 कनेक्शन काटे

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। फतेहगंज पश्चिमी। बिजली विभाग की ओर से सोमवार को बकाया बिलों की वसूली के लिए चलाए गए अभियान में 45 बकायेदारों के बिजली कनेक्शन काट दिए गए।

वहीं, अभियान के दौरान करीब चार लाख रुपये की बकाया धनराशि वसूल की गई। जेई रमेश चंद्र गौतम के नेतृत्व में विभागीय टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान बकायेदार उपभोक्ताओं के घर पहुंचकर बिजली कनेक्शन और मीटर की जांच की गई। टीम ने उपभोक्ताओं को समय से

बिजली बिल जमा करने के लिए जागरूक किया।

नोटिस दिए जाने के बावजूद बकाया बिल जमा नहीं करने वाले नई बस्ती निवासी भूरे ख़ां,पप्पू और मोहल्ला सराय निवासी रिजवान समेत 45 उपभोक्ताओं के खिलाफ विभागीय नियमों के तहत कार्रवाई करते हुए उनके कनेक्शन काट दिए है।साथ ही विभागीय अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से समय पर बिल जमा करने की अपील की है। अभियान के दौरान टीजी-टू प्रवीण शर्मा, आदिल मलिक, राजेश बाबू, काशीराम, मोहित माहेश्वरी, शब्बीर अली, प्रमेंद्र और हरबीर सिंह सहित विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे

प्रेस परिषद सदस्य रजा रिजवी का लखनऊ में भव्य स्वागत

अटल अवार्ड से पेजा ने किया सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच

रेली।(ब्यूरो) , लखनऊ। भारत सरकार द्वारा प्रेस परिषद (प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया) का सदस्य नामित होने के बाद राजधानी लखनऊ पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार व प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक जर्नलिस्ट एसोसिएशन (पेजा) के राष्ट्रीय सचिव रजा रिजवी का भव्य अभिनंदन किया गया। चौक स्थित संगठन कार्यालय में आयोजित समारोह में उन्हें पगड़ी, अंगवस्त्र व माल्यार्पण के साथ प्रतिष्ठित अटल अवार्ड से नवाजा गया।

एसोसिएशन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश चंद्र

कुशवाहा, प्रदेश प्रभारी राजेश अग्रवाल तथा प्रदेश अध्यक्ष सुनील त्रिपाठी की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में उत्तराखंड, कानपुर, आजमगढ़, गोंडा और लखनऊ मंडल के दर्जनों वरिष्ठ पदाधिकारी व पत्रकार शामिल हुए। सभी ने रिजवी के मनोनयन को पत्रकारिता जगत के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शिक्षक एमएलसी चुनाव: बरेली में मतगणना आज,कड़ी निगरानी में गिने जाएंगे वोट

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) बरेली। बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव की मतगणना मंगलवार को संजय गांधी मेमोरियल सेंटर में होगी। आठ मतगणना टेबल और एक रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) टेबल समेत कुल नौ टेबलों पर मतगणना की व्यवस्था की गई है। करीब 35 हजार मतपत्रों की गिनती के लिए कर्मचारियों की ड्यूटी दो शिफ्टों में लगाई गई है। चुनाव में 17 प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला होगा। 23 अक्तूबर को हुए मतदान में मंडल के 73.69 प्रतिशत यानि 35146 मतदाताओं ने वोट डाले थे।

प्रत्याशी और आठ एजेंटों को

प्रवेश मंडलायुक्त एवं रिटर्निंग ऑफिसर शंभू कुमार के अनुसार, प्रत्याशी अपने आठ-आठ मतगणना एजेंटों के साथ परिसर में प्रवेश कर सकेंगे। समर्थकों को मतगणना स्थल से 100 मीटर दूर रहना होगा। परिसर में 15 से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। काउंटिंग एजेंटों और मतगणना कर्मियों के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार निर्धारित किए गए हैं।

सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल और मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। मतगणना कर्मियों और सुपरवाइजरों को प्रशिक्षण दिया गया है। मतगणना राउंडवार निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार कराई जाएगी। जीतने वाले प्रत्याशियों को जुलूस निकालने की अनुमति नहीं होगी।

सुरक्षित बचपन से संवरेगा भविष्य : स्कूलों में न्यायिक अधिकारी सिखाएंगे सुरक्षा और अधिकारों के गुर

गुड टच-बैड टच और साइबर सुरक्षा पर रहेगा जोर

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो)। बच्चों के अधिकारों की रक्षा, बाल उत्पीड़न पर रोकथाम और उन्हें भयमुक्त माहौल देने के उद्देश्य से जनपद के विद्यालयों में 'सुरक्षित बचपन' जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जनपद न्यायाधीश प्रदीप कुमार सिंह-II ने जिले के सभी न्यायिक अधिकारियों को स्वयं विभिन्न स्कूलों में जाकर विद्यार्थियों को जागरूक करने के निर्देश जारी किए हैं।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (DLSA), बरेली की सचिव जया प्रियदर्शनी के मार्गदर्शन में आयोजित होने वाले इन कार्यक्रमों में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को महत्वपूर्ण कानूनी व व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी। छात्रों को बाल

अधिकार, गुड टच और बैड टच में अंतर, बाल श्रम, बाल विवाह और तस्करी जैसे गंभीर विषयों पर सरल भाषा में समझाया जाएगा। डिजिटल युग में बच्चों को ऑनलाइन फ्रॉड, सोशल मीडिया के खतरे, साइबर बुलिंग और अजनबियों से निजी जानकारी साझा न करने के प्रति सचेत किया जाएगा। ? विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाएगा कि किसी भी अनुचित व्यवहार या उत्पीड़न की स्थिति में डरें नहीं, बल्कि तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षक या विश्वसनीय व्यक्ति को बताएं। बच्चों के व्यवहार में आने वाले बदलावों को समझने और उन्हें सुरक्षित माहौल देने के लिए बड़ों की जिम्मेदारी भी तय की जाएगी।? सुरक्षित बचपन, उज्ज्वल भविष्य के संकल्प के साथ संचालित इस पहल का मकसद बच्चों को कानूनी अधिकारों से लैस करना और समाज में बाल संरक्षण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है।

मुरादाबाद में 300 से ज्यादा जोड़ों की शादी, वैदिक मंत्रों के बीच लिए सात फेरे ,और निकहा

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत एमडीए ग्राउंड में हुआ आयोजन, गृहस्थी का सामान देकर नवविवाहित जोड़ों को किया विदा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। बुद्धि विहार स्थित एमडीए ग्राउंड में सोमवार को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 315 जोड़ों का विवाह उनकी धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। वैदिक मंत्रों के बीच वर-वधू ने सात फेरे लेकर जीवनभर साथ निभाने का संकल्प लिया। तो वही दूसरी और मौलवियों द्वारा निकहा भी पढ़ाया गया। विवाह की रस्में

पूरी होने के बाद नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी का सामान देकर विदा किया गया।

मुरादाबाद में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के विवाह में सहायता प्रदान करना है। योजना के तहत आयोजित समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से आए जोड़ों ने अपने परिवारों की मौजूदगी में नए जीवन की शुरुआत की।

कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से पहले से तैयारियां की गई थीं। मुख्य विकास अधिकारी मृणालिनी अविनाश जोशी ने आयोजन से पहले ही संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी थीं। विवाह पंजीकरण के साथ फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी की व्यवस्था भी की गई। इसके अलावा लाभार्थियों की पहचान सुनिश्चित करने और गृहस्थी का सामान वितरित करने के लिए भी आवश्यक इंतजाम किए गए थे। विवाह के बाद नवदंपतियों को गृहस्थी का सामान उपलब्ध कराया गया, ताकि वे अपने नए जीवन की शुरुआत कर सकें। योजना के तहत सामूहिक विवाह संपन्न होने से लाभार्थी परिवारों को आर्थिक सहायता मिली। नवविवाहित जोड़ों और उनके परिजनों ने योजना को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे विवाह का खर्च उठाने में परिवारों को राहत मिली और बेटियों की शादी सम्मानपूर्वक संपन्न हो सकी।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सहारा बन रही है। सामूहिक आयोजन के माध्यम से जहां विवाह की रस्में पूरी कराई गईं, वहीं नवदंपतियों को गृहस्थी का सामान देकर उनके नए जीवन की शुरुआत में सहयोग भी प्रदान किया गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो मजदूर झुलसे, भर्ती

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) बरेली। छत का लेंटर डालने के लिए सरिया बांधते समय रविवार को एक बड़ा हादसा हो गया। छत की ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से सरिया छू जाने से करंट की चपेट

में आकर मौके पर दो मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका उपचार जारी है। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के ईंटपुर निवासी अजयवीर सुबह करीबन साढ़े नौ बजे अपने साथी बन्ने के साथ पास के एक गांव में निर्माणाधीन मकान की छत पर लेंटर डालने के लिए सरिया बांध रहा था। उसी दौरान सरिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के संपर्क में आ गई। इससे सरिया में करंट उतर आया और दोनों मजदूर उसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गए। हादसा की जानकारी पर मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। दोनों मजदूरों की हालत गंभीर देखकर आसपास के लोग मदद के लिए दौड़े और उन्हें आनन-फानन में जिला अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में दोनों का उपचार जारी है।

भमोरा में टंकी की चौकीदारी कर रहे बुजुर्ग की गला काटकर हत्या

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली।(ब्यूरो) भमोरा क्षेत्र में बल्लिया चौकी के गांव डपटा में रविवार रात टंकी पर चौकीदारी कर रहे बुजुर्ग की धारदार हथियार से गला काटकर हत्या कर दी गई। सूचना पर पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। गांव में बनी टंकी पर चौकीदारी कर रहे 58 वर्षीय बलराम दीक्षित की रात में हत्या कर दी गई। इस टंकी पर उनका भतीजा चौकीदारी करता है लेकिन उसकी तबीयत खराब होने के चलते रविवार रात बलराम चौकीदारी कर रहे थे। इसी दौरान यह वारदात हो गई। वह चार भाइयों में दो से छोटे और अविवाहित थे। परिजनों के मुताबिक वह सीधे और सरल स्वभाव के थे। उनके नाम करीब छह बीघा जमीन है और किसी से रंजिश भी नहीं थी। आशंका जताई जा रही है कि टंकी पर चोरी करने आए चोरों का उन्होंने विरोध किया होगा, जिस पर उन्होंने टंकी परिसर के मेन गेट पर गला काटकर उनकी हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

दशहरा मेले के दौरान हुए हत्याकांड के खुलासे में पुलिस मुठभेड़ में मुख्य आरोपी घायल , चार आरोपी गिरफ्तार

बरेली।(ब्यूरो) । 22 अक्टूबर की देर रात दशहरा मेला देखकर लौट रहे संजय सक्सेना पर शांति विहार के होली चौक पर पुरानी रंजिश के चलते हमला किया

गया था। आरोपियों ने लाठी-डंडों और लोहे के हत्थे से पीटकर संजय की निर्मम हत्या कर दी थी। वादिनी साक्षी की तहरीर पर थाना सुभाषनगर में बीएनएस की सुसंगत धाराओं के तहत हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। ?25 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर सुभाष नगर प्रभारी सतीश कुमार नैन ने टीम बनाकर रामगंगा नदी किनारे घेराबंदी की। खुद को घिरता देख आरोपी राजेश गुर्जर ने पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में गोली लगने से राजेश गुर्जर घायल हो गया, जिसे मौके से दबोच लिया गया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, स्वेच्छा ने हासिल किया प्रथम स्थान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । हरिद्वार के वंदना कटारिया स्टेडियम में 23 से 26 अक्टूबर तक आयोजित 38वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, अमरपुर काशी, बिलारी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतिभाग किया प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा स्वेच्छा ने किशोर वर्ग की 100 और 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं नवाजिश ने भाला फेंक में तृतीय, युवराज यादव ने 400 मीटर दौड़ में तृतीय तथा यथार्थ चौधरी ने गोला फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त किया। दोनों दौड़ों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली स्वेच्छा अब गाजियाबाद में आयोजित होने वाली अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी।

प्र38वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध विद्या भारती पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र द्वारा आयोजित 38वें क्षेत्रीय खेलकूद समारोह (एथलेटिक्स) में ब्रज मेरठ प्रांत, उत्तराखंड के विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राएँ पूरे उत्साह, जोश एवं खेल भावना के साथ प्रतिभाग कर रहे हैं। हरिद्वार स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में ऊँची कूद, दौड़ एवं गोला फेंक जैसी विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा, शारीरिक दक्षता, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिचय दे रहे हैं।

इस अवसर पर पश्चिम उत्तर प्रदेश के क्षेत्रीय संगठन मंत्री मा. श्री डोमेश्वर साहू जी, विद्या भारती के प्रांत संगठन मंत्री मा. श्री सुनील तिवारी जी, विद्या भारती मेरठ प्रांत के संगठन मंत्री मा. श्री प्रदीप कुमार जी एवं विद्या भारती उत्तराखंड के प्रदेश निरीक्षक डॉ. विजय पाल सिंह जी एवं जन शिक्षा समिति मंत्री श्री शत्रुघ्न जी की गरिमामयी उपस्थिति कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रही है। यह खेलकूद समारोह विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, टीम भावना एवं राष्ट्रभावना के विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है।

खेल के मैदान में छात्र-छात्राओं का उत्साह और उत्कृष्ट प्रदर्शन उनके परिश्रम एवं समर्पण को दर्शाता है। प्रतियोगिता में श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज अमरपुर पुर काशी बिलारी मुरादाबाद की स्वेच्छा ने किशोर वर्ग में 100,200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान नवाजिश ने भाला फेंक में तृतीय स्थान युवराज यादव ने 400 मीटर दौड़ में तृतीय स्थान प्राप्त किया यथार्थ चौधरी गोला फेंक में तृतीय स्थान प्राप्त इस प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली बहन स्वेच्छा अखिल भारतीय खेलकूद प्रतियोगिता गाजियाबाद म में प्रतिभा करेगी अवसर पर ऋषिपाल सिंह यादवतियोगिता में खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से विद्यालय में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर ऋषिपाल सिंह यादव सहित अन्य लोगों ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बिलारी में वाल्मीकि समाज ने धूमधाम से निकाली महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव पर भव्य शोभायात्रा, सभी वर्गों के लोग हुए शामिल, अतिथियों को पहनाई माला और पगड़ी

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी नगर में वाल्मीकि समाज द्वारा कमलेश्वर भगवान, महर्षि वाल्मीकि के प्रकट उत्सव पर भव्य शोभायात्रा भक्ति भाव और धूमधाम से निकाली गई। सभी स्वरूप, झांकियां, अखाड़े, कमेटी के पदाधिकारी, अतिथिगण वाल्मीकि शिव मंदिर प्रांगण में एकत्र हुए जहां कमेटी के अध्यक्ष शिंभूनाथ, मेला प्रभारी अखिलेश वाल्मीकि ने सभी पदाधिकारियों और अतिथियों का माला पहनाईं और पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर प्रसाद के रूप में हलवे का वितरण किया गया। शोभा यात्रा के दौरान महाकाली के अखाड़े शानदार प्रदर्शन करते चल रहे थे

कई श्रद्धालुओं ने जमीन पर लेटकर अपने सीने पर नारियल रखकर महाकाली के स्वरूप से तलवार द्वारा कटवाया। शोभायात्रा में बैंड बाजे, डीजे के अलावा महाकालेश्वर उज्जैन, बाबा साहेब डॉ अंबेडकर, राधा कृष्ण, पवन पुत्र हनुमान, जाहरवीर गोगाजी, शिव पार्वती आदि की अनेक सुसज्जित झांकियां सभी का ध्यान खींच रही थी। अतिथियों और शोभा यात्रा के ऊपर फूल बरसाए गए। पालिका अध्यक्ष रघुराज सिंह यादव ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटा, महर्षि वाल्मीकि के स्वरूप को तिलक लगाकर माला पहनाई इसके उपरांत शोभा यात्रा का शुभारंभ हुआ। भाजपा नेता सुरेश सैनी, परमेश्वर लाल सैनी, डॉ गीता शर्मा, विश्वास यादव लवली, डॉ मेघपाल सिंह, कपड़ा मंत्रालय के पूर्व सदस्य वाजिद हुसैन अंसारी एडवोकेट के अलावा शोभा यात्रा कमेटी के बृजनंदन, राजेश कुमार, रिंकू, धर्मपाल, सुरेश मदन, अमरदीप, गौरव, सोनू रत्नाकर, हरी बाबू, राहुलबबलू, संरक्षक राजेंद्र सहदेव, आजाद रत्नाकर, गजराम सिंह, रग्गन लाल, मीडिया प्रभारी कपिल राज, संजीव शर्मा, प्रधान चंद्रगुप्त मौर्य, राजेश वाल्मीकि, प्रेम कुमार, आर बी अंबेडकर, रामबाबू शास्त्री प्रधान सिंघम, संजय वाल्मीकि, डॉ सियाराम प्रेमी, सभासद ओंकार, आदि शामिल रहे।

सुरक्षा के लिए। पुलिस का समुचित प्रबंध था सुसज्जित वेशभूषा में बैंड कलाकार भी शोभा यात्रा में चार चांद लगा रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

खीर वितरण के साथ मनाई महर्षि वाल्मीकि जयंती

टांडा बादली (रामपुर) क्यूँ न लिखूँ सच अश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा पर महर्षि वाल्मीकि जयंती सरस्वती शिशु विद्या मंदिर टांडा बादली के तत्वावधान में वाल्मीकि सेवा बस्ती स्थित महर्षि वाल्मीकि मंदिर पर धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्चन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य गजेंद्र सिंह चौहान ने महर्षि वाल्मीकि के जीवन और शिक्षाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि उनकी रचित रामायण का अध्ययन प्रत्येक घर में होना चाहिए। उनके बताए मार्ग पर चलकर संस्कार, मर्यादा और सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। इस अवसर पर शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में भगवान भोलेनाथ और महर्षि वाल्मीकि को खीर का भोग लगाकर उपस्थित लोगों में प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में राजकुमार सक्सेना, संजय ठाकुर, संजीव कुमार, आचार्य विनोद कुमार वाल्मीकि, सुदेश कुमार, संजय कुमार, नरेश कुमार, सुभाष कुमार, बबलू, मर्दन, आसाराम सैनी और नामी श्रीवास्तव सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने महर्षि वाल्मीकि के जयकारे लगाए।

शटडाउन के बावजूद दौड़ा करंट पेट्रोलमैन डबल पोल से गिरकर घायल, ट्रांसफार्मर बदलते समय हुई घटना

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । बिजली विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई है कि शटडाउन के बावजूद बिजली सप्लाई चालू कर दी गई इस कारण डबल पोल पर ट्रांसफार्मर बदल रहे बिजली कर्मचारी को करंट लग गया और वह नीचे आ गिरा। एसडीओ सहसपुर को दिए शिकायती पत्र के अनुसार संजीव कुमार पुत्र रामकुमार निवासी ग्राम मिठनपुर मौजा तहसील चंदौसी, जिला संभल, सोंडारा बिजलीघर में पेट्रोलमैन के रुप में कार्यरत हैं। उन्होंने शिकायती पत्र में बताया कि 25 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे उन्होंने सोंडारा विद्युत उपकेंद्र से ड्यूटी पर तैनात दक्ष कुमार और अजय कुमार से शटडाउन लेकर संजीव कुमार ग्राम पैगारफतपुर स्थित राजकीय नलकूप के जले हुए ट्रांसफार्मर को बदलने के लिए मौके पर पहुंचे थे। उनके साथ ट्रांसफार्मर वाहन का परिचालक भी मौजूद था। संजीव कुमार जैसे ही डबल पोल पर चढ़कर खराब ट्रांसफार्मर उतारने और नया ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य कर रहे थे, उसी दौरान अचानक विद्युत सप्लाई चालू कर दी गई। सप्लाई चालू होते ही संजीव कुमार को करंट लगा और वह डबल पोल से नीचे गिर गए। उनके साथ मौजूद वाहन परिचालक कृष्णा भी इसकी चपेट में आया, हालांकि दोनों बाल-बाल बच गए। कर्मचारी के अनुसार डबल पोल के नीचे करंट आने से आग भी लग गई, जिसकी वीडियो उनके मोबाइल में मौजूद है। घटना के बाद बिजली विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। शटडाउन लेने के बावजूद सप्लाई कैसे चालू हुई और इसकी अनुमति किस स्तर से दी गई, यह जांच का विषय है। कर्मचारी ने मामले में संबंधित के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों को भी इस घटना से बिजली विभाग की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता है।शिकायती पत्र में लगाए गए आरोपों की पुष्टि विभागीय जांच के बाद ही हो सकेगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

वाल्मीकि बस्ती में धूमधाम के साथ मनाया गया भगवान वाल्मीकि प्रकट उत्सव

@ क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद। (सिकंदर राजा) सिरकोई भूड़ लाईनों के बीच वाल्मीकि बस्ती में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 26 अक्टूबर 2026 आज दिन सोमवार को भगवान वाल्मीकि जी महाराज का पावन प्रकट दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बता दे शोभा यात्रा के अध्यक्ष सुरेश वाल्मीकि ने बताया कि सुबह 11 बजे भंडारे का आयोजन हुआ और बही आज शाम को भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नगर विधायक रितेश गुप्ता और संजीव वाल्मीकि रहेंगे। कार्यक्रम में राजेश वाल्मीकि, रंजीत वाल्मीकि, दीपक वाल्मीकि, कुनाल क्षत्रिय, आकाश वाल्मीकि, अमित वाल्मीकि सहित युवा विंग के सभी पदाधिकारी शामिल होंगे। समिति ने सभी नगर वासियों को वाल्मीकि जयंती के साथ-साथ दीपावली, भाई दूज और गंगा स्नान की हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष एवं शोभायात्रा अध्यक्ष सुरेश वाल्मीकि, मुख्य अतिथि के रूप मे नगर विधायक रितेश गुप्ता एवं संजीव वाल्मीकी बही शोभायात्रा यात्रा महामंत्री राजेश बाल्मीकि, शोभायात्रा उपाध्यक्ष रंजीत वाल्मीकि, जिला उपाध्यक्ष युवा विंग उत्तर प्रदेश दीपक वाल्मीकि, विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल कुनाल क्षत्रिय, प्रदेश सचिव युवा विंग आकाश बाल्मीकि, कमेटी मेंबर जोनी वाल्मीकि, आकाश , अभिषेक नितिन , अजय वाल्मीकि, गौरव, विशेष, प्रिंस, सौरभ वाल्मीकी, देवा, आदित्य, आसू आदि कई लोग मौजूद रहे

सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 295 जोड़े बने हमसफर, 14 का हुआ निकाह

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बदायूँ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत आयोजित समारोह में 281 हिन्दू व 14 मुस्लिम जोड़े सहित कुल 295 जोड़े एक दूसरे के हमसफर बन गए हैं। सरकार द्वारा एक लाख रुपये की धनराशि का लाभ इस योजना अन्तर्गत नवविवाहित जोड़ों को दिया जाता है, जिसमें 21000 रुपए की उपहार सामग्री होती है, 15000 रुपए प्रति जोड़ा आयोजन में व्यय होता है और शेष 64000 रुपए की धनराशि बधु के खाते में जमा की जाती है।सोमवार को स्थानीय पूनम लॉन में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अन्तर्गत समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता एवं बिल्सी विधायक हरीश शाक्य सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया।

सदर विधायक महेश चन्द्र गुप्ता ने कहा कि जितने भी लोगों का आज विवाह सम्पन्न हुआ है, मेरी शुभकामनाएं है कि हरिबोल महाराज की इन सभी पर कृपा बनी रहें। मैं बेटियों से कहना चाहुंगा कि अपने ससुराल में सबका मान रखना और अपने परिवार से बढ़कर उनका ख्याल रखना वहीं बेटे भी समझलें कि अपने जीवनसाथी के अलावा उनके मायके वालों को भी बरावर का सम्मान देना है, क्योंकि अच्छा सोचो अच्छा होगा आज नहीं तो कल होगा। बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि आज का यह अवसर हम सभी के लिए अत्यंत खुशी और हर्ष का अवसर है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के माध्यम से आज अनेक नवविवाहित जोड़े अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। सभी नवविवाहित दंपतियों को हार्दिक बधाई एवं सुखद वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं, साथ ही आज जिन परिवारों ने इस योजना के माध्यम से अपने बच्चों का विवाह संपन्न कराया है, उन्हें मैं पुनः बधाई देता हूं। मेरी कामना है कि सभी नवविवाहित दंपतियों का जीवन प्रेम, विश्वास, समृद्धि और खुशियों से भरा रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्रतीकात्मक रूप से कुछ जोड़ों के लिए विवाह प्रमाण पत्र एवं उपहार सामग्री का वितरण किया गया। सभी अतिथिगणों व अधिकारियों द्वारा नव विवाहित जोड़ों के ऊपर पुष्प वर्षा करके ईश्वर से प्रार्थना की गई कि इनका गृहस्थ जीवन सुखमय हो।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला, पूर्व एमएलसी जितेन्द्र यादव, पीडी डीआरडीए सतेन्द्र सिंह, डीसी एनआरएलएस रवि प्रकाश तथा ब्लॉक प्रमुख कादरचौक वीरेन्द्र राजपूत, ब्लॉक प्रमुख अम्बियापुर रेखारानी, जिला समाज कल्याण अधिकारी मीनाक्षी वर्मा सहित संबंधित खंड विकास अधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन समाज कल्याण विभाग के महाराज सिंह ने किया।

01 नवम्बर को होगा बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन

@ क्यूँ न लिखूँ सच

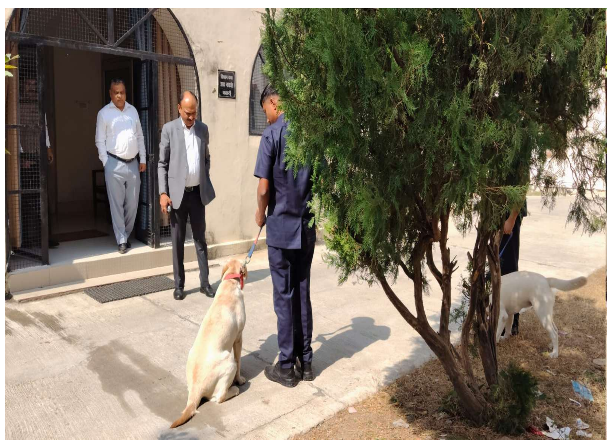

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उ?प्र? राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशानुपालन में एवं श्री विवेक संगल, माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ के आदेशानुक्रम में 01 नवम्बर 2026 को मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जायेगा।शिविर के आयोजन के सन्दर्भ में अपर सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायाधीश/ प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ द्वारा अवगत कराया गया कि इस मेगा शिविर में समस्त प्रशासनिक विभागों से समन्वय स्थापित कर आम-जनमानस को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न प्रकार की सरकारी योजनाओं से लाभान्वित किये जाने वाले पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जायेगा। मेगा शिविर के आयोजन का पप्पलेट, पोस्टर, बैनर इत्यादि प्रचार सामिग्री के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

उन्होंने बताया है कि 01 नवम्बर 2026 को मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के सफल आयोजन के सन्दर्भ में सोमवार को बैठक आयोजित की गई, जिसमें बृहद शिविर के सफल आयोजन में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ करने हेतु भी निर्देशित किया गया।

बैठक में प्रतिसार निरीक्षक, रिर्जव पुलिस लाइन, बदायूँ के साथ न्यायिक शिविर समिति की माननीय अध्यक्षा, सुश्री रिन्कू प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, बदायूँ व सदस्यगण श्री राजवीर सिंह, विषेष न्यायाधीष, एस0सी0/एस0टी0 (पी0ए0) एक्ट, बदायूं, श्री ऋषि कुमार, शष्टम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष/विशेष न्यायाधीश, गैगस्टर एक्ट, बदायूं, श्री अंकित रस्तोगी, अपर सिविल जज (सी0डि0)/त्वरित न्यायाधीष/ प्रभारी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बदायूँ, व श्री सागर तायल, न्यायिक मजिस्टेऽ्ट-प्रथम, बदायूं मौजूद रहे। उन्होंने जनपद के सभी जन-सामन्य से अपील है कि 01 नवम्बर 2026 रविवार को आयोजित होने वाले मेगा/बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में उपस्थित होकर लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग द्वारा स्निफर डॉग (खोजी कुत्ता) के माध्यम से सम्पूर्ण जनपद न्यायालय, परिसर बदायूं की सुरक्षा की दृष्टि से जॉच-पड़ताल की गयी।

भगवान वाल्मीकि प्रकट दिवस पर तिलक और आरती की

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । पोंडा खेड़ा स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान वाल्मीकि के प्रकट दिवस के अवसर पर सनातन धर्म ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज चौहान ने विधि-विधान से तिलक किया और आरती उतारी। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भगवान वाल्मीकि का स्मरण कर श्रद्धा व्यक्त की।कार्यक्रम में परमेश्वरी गोस्वामी, सुशील गोस्वामी, मयंक पाराशरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

युवाओं की ऊर्जा को मिला मंच, अनुभवों के आदान-प्रदान से होगा मानसिक विकास

गंजबासौदा (हाकम सिंह रघुवंशी) युवाओं को एक ऐसा सुरक्षित और सहज स्थान उपलब्ध कराना, जहाँ वे बिना किसी झिझक या डर के अपने विचारों, भावनाओं, अनुभवों और चुनौतियों को साझा कर सकें तथा अपनी पहचान और क्षमताओं को समझते हुए समाज में समावेशी बदलाव के वाहक बन सकें-इसी उद्देश्य के साथ सिनर्जी संस्थान द्वारा 'युवा सम्मेलन-2026' का आयोजन किया गया। युवा सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य पिछले एक वर्ष से सिनर्जी संस्थान से जुड़े युवाओं को एक साझा मंच प्रदान करना था, जिसके माध्यम से वे सिनर्जी से जुड़ने के बाद अपने एक वर्ष के सफर, सीख, अनुभवों, उपलब्धियों और अपनी कहानियों को अन्य युवाओं एवं समुदाय के लोगों के साथ साझा कर सकें।

यह मंच युवाओं के लिए केवल अपनी उपलब्धियाँ बताने का अवसर नहीं था, बल्कि अपने डर, झिझक, चुनौतियों और भावनाओं को व्यक्त करने तथा एक-दूसरे के अनुभवों से सीखने का सहज वातावरण भी बना। सिनर्जी संस्थान की अवधारणा इस विश्वास पर आधारित है कि प्रत्येक युवा के भीतर अपनी क्षमताओं को पहचानने, निर्णय लेने और समाज में सकारात्मक योगदान देने की संभावना होती है। इसके लिए जरूरी है कि युवाओं को ऐसा सुरक्षित स्थान मिले, जहाँ उनकी बातों को सुना जाए, उनके विचारों का सम्मान हो और वे बिना किसी भेदभाव के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकें। ऐसे वातावरण में युवा धीरे-धीरे अपने संकोच और डर को दूर करते हुए आत्मविश्वास विकसित कर सकते हैं तथा अपने जीवन और समुदाय से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।

सम्मेलन में गंजबासौदा के हितधारकों, श्री मोहित पूरी जी, स्वावलंबन फाउंडेशन एवं श्री संजय विश्वास जी टारगेट कोचिंग डायरेक्टर ने भी सहभागिता की। उपस्थित अतिथियों ने युवाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें युवालय से जुड़े रहने, विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने और अपने भविष्य के लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ भी दीं। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, नुक्कड़ नाटक और मंच संचालन जैसी गतिविधियों के माध्यम से युवाओं ने अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के समापन पर युवालय से जुड़कर एक वर्ष की यात्रा पूरी करने वाले तथा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से सहभागिता करने वाले युवाओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी निरंतर सहभागिता, सीखने की प्रक्रिया, प्रयासों और उपलब्धियों को पहचान देने के साथ-साथ उन्हें आगे भी अपने समुदाय में सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करने का माध्यम बना।

संक्षिप्त समाचार

डिलारी में धूमधाम से निकली भगवान महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा कस्बा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

डिलारी (मुरादाबाद) मुरादाबाद जनपद के कस्बा डिलारी में सोमवार को भगवान महर्षि वाल्मीकि की जयंती हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाई गई। इस अवसर पर भगवान महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और विभिन्न समुदायों के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शोभायात्रा के दौरान भगवान वाल्मीकि के जयकारों से कस्बे का माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित लोगों ने भगवान महर्षि वाल्मीकि के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। आयोजन में पहुंचे मुख्य अतिथियों का फूल-माला पहनाकर और पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। शोभायात्रा में भगवान महर्षि वाल्मीकि के चित्र और बैनर आकर्षण का केंद्र रहे। यात्रा में शामिल श्रद्धालु जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। शोभायात्रा के माध्यम से भगवान महर्षि वाल्मीकि के विचारों, शिक्षाओं और उनके आदर्शों का संदेश दिया गया। आयोजन में हिंदू समाज सहित सभी वर्गों के लोगों की सहभागिता देखने को मिली। धार्मिक कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र में उत्साह और सौहार्द का माहौल बना रहा। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे। भगवान महर्षि वाल्मीकि की जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और उनके विचारों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

सपा कार्यालय पर मनाया वाल्मीकि प्रकट उत्सव

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । सपा कैंप कार्यालय पर मनाया महर्षि वाल्मीकि का प्रकट उत्सव इस अवसर पर बिलारी विधायक हाजी मोहम्मद फहीम इरफान ने महर्षि वाल्मीकि जी को नमन करते हुए उनके जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। विधायक ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी से हमें सत्य, ज्ञान, सदाचार और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है। रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकि जी ने अपनी रचनाओं से समाज को नई दिशा दी। उनकी शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं। हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाकर समाज में प्रेम, भाईचारे, समानता और सद्भाव को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महापुरुषों के विचारों और उनके योगदान को याद करना हमारी जिम्मेदारी है। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही एक बेहतर और समरस समाज का निर्माण किया जा सकता है। कार्यक्रम में पूर्व सभासद गजराम वाल्मीकि, कपिल राज वाल्मीकि, ब्रजेश वाल्मीकि, रामवीर वाल्मीकि, ऋतिक जाटव, अतहर सिंह, रवि राज सिंह वाल्मीकि, रोहित कुमार वाल्मीकि, रति सिंह, आमिल सिद्दीकी सभासद, सत्तार अली, जरीफ अंसारी, सगीर मलिक, सफीन पाशा, रियाज अहमद आदि रहे।

छुट्टा सांड़ के हमले से नौ घायल, भैंस की मौत, दीवार से टकराकर सांड़ भी मरा

ग्रामीणों ने आखिरकार साहस जुटाकर सांड़ को गांव से बाहर खदेड़ने का प्रयास किया। इस दौरान भागते समय सांड़ एक दीवार से जा टकराया और बेहोश होकर गिर गया। सादाबाद के गांव मढ़नई और आसपास के इलाकों में पिछले दो दिनों से आतंक का पर्याय बने एक छुट्टा सांड़ ने सोमवार की सुबह जमकर उत्पात मचाया। सांड़ के हमले में पूर्व प्रधान सहित नौ लोग घायल हो गए, जबकि एक भैंस की मौत हो गई और चार अन्य पशु घायल हो गए। दीवार से टकराकर बेहोश हुए सांड़ ने भी दम तोड़ दिया। सांड़ के आक्रामक तेवर देखकर गांव में इस कदर दहशत फैल गई कि लोगों ने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। मौके पर पहुंची पुलिस को भी सांड़ के हमले से बचने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। सोमवार को गांव मढ़नई में अचानक पहुंचे छुट्टा सांड़ ने लोगों और पशुओं पर हमला करना शुरू कर दिया। जो भी सामने आया, वह सांड़ का निशाना बन गया। हमले में गांव नगला हरनाम निवासी कारे सिंह, मढ़नई के पूर्व प्रधान रामभरोसी, अतर सिंह, विजेंद्र सिंह, बंटी, अनम, पुजारी पूरन पुरी, ऋषि और कंचना घायल हो गए। अचानक हुए हमले से गांव में चीख-पुकार और अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।गांव के पूर्व प्रधान रामभरोसी मंदिर में पूजा करने गए थे।

Health Talk: Honey is a natural sweetener. Can diabetes patients consume it?

Honey is considered a natural and healthy alternative to sugar, but diabetes patients should consume it with caution. The sugar in honey can increase blood sugar. Learn about its glycemic index and important diabetes precautions. When craving something sweet, many people find honey preferable to white sugar. This is due to honey's natural nature and its antioxidant properties. However, if you have diabetes and are trying to control your blood sugar, indiscriminately including honey in your diet can cause problems. Honey has numerous health benefits. Ayurvedic and medical science have also found in numerous studies that honey can boost our health in many ways. It has been consumed for various purposes, from digestion to skin problems and as a sugar substitute. Since it tastes sweet, the question arises: can diabetics also consume it? Does honey raise blood sugar levels? Let's explore this in more detail. Despite being natural, can honey raise blood sugar levels? Let's find out. It's generally believed that sweet foods can increase blood sugar, but this isn't true for everyone. Honey has a glycemic index of 58, while people with diabetes are advised to avoid foods with a glycemic index higher than 55. Therefore, it can be consumed in moderation. The glycemic index is a scale that measures how long it takes for carbohydrates in food to convert to glucose and how quickly blood sugar levels rise. Therefore, consuming honey can worsen diabetes. Can you eat honey if you have diabetes? Some people add honey to their tea or use it as a sweetener in baking. But is honey safe for people with diabetes? Studies offer varying conclusions. People with type 2 diabetes should pay special attention to their carbohydrate and sugar intake. Honey is not only safer than sugar, but it also has anti-inflammatory and antioxidant properties that can reduce diabetes complications. However, the safety of consuming it depends on the individual's health. It's crucial to be mindful of the amount of honey consumed. Excessive consumption can increase blood sugar levels. Know these precautions: Consuming honey can have both risks and benefits, especially if you have diabetes. Avoid consuming it without consulting a doctor. Honey can affect blood sugar levels. Doctors advise avoiding excessively sweet foods until your blood sugar is well controlled. Pregnant women and those with weakened immune systems should avoid raw honey because it is not pasteurized. Consuming this type of honey can increase the risk of infection.

Why is polio considered so dangerous, how does it spread? Find out how many cases there have been this year.

Despite efforts to eradicate polio from the world, the infection continues in Afghanistan and Pakistan. As of October 20, 2026, 48 cases of poliovirus were reported in both countries. The number of cases doubled in Afghanistan, while the number decreased in Pakistan. Polio is a highly infectious and fatal disease. Caused by the poliovirus, this infection primarily affects children under 5 years of age. It causes spinal cord and brain damage, leading to paralysis and, in severe cases, death. Campaigns to eradicate polio have been ongoing worldwide for decades. Widespread vaccination and awareness have significantly reduced the number of cases, but the goal of complete eradication remains elusive. The World Health Organization (WHO) European Region was declared polio-free in 2002. India also became polio-free in 2011. Cases are still being reported in Afghanistan and Pakistan. In such a situation, the persistence of polio in limited areas is also a matter of concern. Now the question is why do experts consider polio so dangerous and what risks could it pose? Polio Cases in Pakistan and Afghanistan - According to data from the Global Polio Eradication Initiative, available as of October 20, 2026, a total of 48 cases of wild poliovirus type 1 were reported worldwide in 2026. Of these, 42 cases were reported in Afghanistan and 6 cases in Pakistan. Wild poliovirus refers to a virus that naturally circulates in the environment and can infect people. Polio cases have increased rapidly this year in Afghanistan. There were 21 cases reported in 2025, while in 2026 this number has increased to 42. This means that the number of cases has doubled compared to last year. Pakistan has also been affected by polio, although cases there have decreased. In 2025, Pakistan reported 31 cases, while this year only 6 cases have been reported so far. For both countries combined, there were 52 cases of polio in 2025, compared to 99 in 2024. This suggests that some areas have achieved success in controlling polio, but progress is not uniform across the board. The rise in infections, particularly in Afghanistan, remains a concern. In India, West Bengal has not reported a single case of polio since January 13, 2011. Why is polio considered so dangerous? Polio is a serious infectious disease that primarily affects children under five years of age. The virus typically enters the body through contaminated water or food. In some cases, it can reach the nervous system and damage nerves. The biggest concern is that severe infections can lead to permanent paralysis. Sometimes, an infected person initially shows no obvious symptoms, making it difficult to detect the infection. There is no definitive cure for polio, so prevention is the most important approach. Vaccination can significantly reduce the risk of this disease. This is why health experts recommend that all children receive all polio doses on schedule. What complications can polio cause? Medical reports indicate that the effects of polio infection vary from person to person. Some people experience no symptoms, while others may experience fever, fatigue, headache, vomiting, muscle pain, or neck stiffness. In severe cases, the virus affects the nervous system, leading to muscle weakness in the arms and legs. This is called paralytic polio. This paralysis often affects the legs and can cause permanent disability. If the virus affects the muscles that help with breathing, the patient may experience severe breathing problems and the condition can be fatal. Respiratory complications cause the death of 5% to 10% of paralyzed patients. Vaccination is the only preventative measure - Vaccination is the most effective method of preventing polio. In India, regular immunization programs and pulse polio campaigns are conducted to protect children from polio. Children under 5 years of age are given a free dose of oral polio vaccine under the National Immunization Program. Children under 5 years of age should also receive the dose during the pulse polio campaign, even if they have been vaccinated previously. Additionally, drinking clean water, keeping food covered, using the toilet, and washing hands with soap help reduce the risk of infection. If a child suddenly experiences symptoms such as weakness or paralysis in the arms and legs, contact a doctor immediately.

Health Matter: This mistake after dinner can disrupt your sleep and health, and may also lead to acid reflux.

Lying down immediately after eating can increase heartburn, belching, and throat discomfort, especially due to acid reflux. Take a short, light walk after meals. Consult a doctor if acidity persists. Maintaining a healthy diet is essential for maintaining a healthy body, but it's also crucial to pay special attention to certain things after eating. After a busy and tiring day, we all feel like going to bed immediately after eating. Some people go to sleep immediately after dinner, while others relax after lunch. Health experts say these habits are very common. While occasional occurrences may not be a problem, regularly lying down immediately after eating can increase digestive problems. Those who already suffer from acidity or acid reflux should exercise extra caution. Let's explore how the habit of lying down immediately after eating can cause health problems. Health experts say that lying down immediately after eating can cause stomach acid to flow back up the esophagus, which can lead to heartburn, sour belching, and throat discomfort. Meanwhile, going to sleep immediately after a heavy meal can make the stomach feel full. This is why health experts advise everyone to take a short walk after dinner. Lying down immediately after eating can cause stomach contents and acid to flow back up the esophagus. This is called acid reflux. This can cause problems like heartburn, a sour taste in the mouth, and sour belching. Bloating and heaviness: Lying down immediately after eating too much or fried food can cause some people to feel heaviness, gas, and discomfort in the stomach. Digestive problems and similar issues can also affect your sleep. If you go to sleep immediately after dinner and have acid reflux, coughing, irritation, or throat discomfort can cause frequent sleep interruptions. Eating heavy meals late at night can also affect some people's sleep. What to do after eating? Health experts say that taking a 10-15 minute walk after a meal is considered beneficial for health. Avoid lying down immediately after eating and maintain a gap of about 2-3 hours between dinner and bedtime. People who already have acid reflux should be more careful about digestive problems. Consult a doctor if you experience persistent heartburn, difficulty swallowing, or unexplained weight loss.

Akshara on the path of spirituality?: Amid Pawan Singh's apology, this photo goes viral; wife Jyoti Singh posts a cryptic post

Bhojpuri actress Akshara Singh is in the news these days. A few days ago, Pawan Singh apologized to her, and now she has visited the Brahma Kumaris headquarters. Pawan Singh's wife, Jyoti Singh, is also in the news for a post of her own. Actress Akshara Singh is currently in the news. Recently, she shared some photos on her social media, clearly revealing her inclination towards spirituality. Furthermore, a few days ago, renowned singer and actor Pawan Singh also apologized to Akshara. Furthermore, a post by Pawan Singh's wife, Jyoti, is also going viral. Akshara shared photos - Akshara Singh shared some photos on her social media handle, Instagram, showing her visiting Shantivan, the international headquarters of the Brahma Kumaris in Abu Road, Rajasthan, where she met with the community and participated in the global summit. Additionally, a few days ago, the actress also attended the Chandigarh Vrindavan Utsav. Storyteller Indresh Upadhyay and singer B Praak were also part of the festival. Pawan Singh apologized - These photos of Akshara Singh are going viral at a time when a few days ago, "Power Star" Pawan Singh apologized to the actress at an event. He apologized for calling Akshara "babu" (child) and expressed respect for the actress's parents. Jyoti Singh also made headlines - In addition to these two stars, Pawan Singh's wife, Jyoti Singh, is also in the news. In fact, a video of her also went viral on social media. In it, she was seen having fun with her friends and younger sister, Juhi, during the Sindoor Khela ritual. During this, one of Jyoti Singh's friends asks her sister, Juhi, "Mother, please make your friend's forehead red too." Jyoti Singh replies, "No, Mother, make it red only if you find a good husband; otherwise, it's fine. The husband may not be rich, but he should have a good nature." He should be loyal, not someone who will get beaten up ten times. When this video went viral, people linked it to Pawan Singh. Just yesterday, Jyoti posted a cryptic post on social media, writing, "He'll keep telling you he's a lion. If you refuse to believe him, he'll start barking."

Raveena Tandon turns 54: What's her relationship with Sambha from 'Sholay'? Debut with Salman Khan, learn how she became the Mast-Mast girl.

Actress Raveena Tandon celebrates her birthday today, October 26th. She turns 54. She is considered one of the top heroines of the 90s. She won the hearts of audiences with her very first film. Despite the changes in cinema, she has managed to make her presence felt and is also making her presence felt on OTT platforms. Read stories related to her on her birthday: Whenever the names of famous heroines of the 90s are mentioned, the discussion is incomplete without Raveena Tandon. She entered the world of cinema in 1991. Her first film was with the industry's Dabangg Salman Khan. This new actress had some lessons from her father and possessed acting talent. She always kept the lessons and principles taught by her father with her. Her acting skills have improved over time. On Raveena Tandon's birthday, read some interesting facts about her... She quit her studies after receiving modeling offers. Raveena Tandon was born in Mumbai. Raveena inherited her love for films and cinema from her father, the daughter of the late director Ravi Tandon. Her father's name is Ravi Tandon and her mother's name is Veena. Raveena was born as a combination of their names, giving her the name Raveena. Her nickname is Munmun. The actress received her early education at Jamunabai Public School. She then enrolled at Mithibai College for her graduation. She began modeling while still in college. Due to her beauty, she received numerous offers during her studies, which led her to quit her studies in the second year of graduation. Raveena Tandon made her film debut in 1991. Her first film was with Salman Khan, "Patthar Ke Phool." Raveena's acting and beauty in the film were highly praised. She also received the Filmfare Award for "New Face of the Year." After that, she never looked back. In the 90s, Raveena Tandon worked in films ranging from "Andaz Apna Apna" to "Mohra," "Dulhe Raja," and "Shool." The iconic song "Tip Tip Barsa Paani" from "Mohra" is still popular on YouTube. Raveena Tandon created a stir with her bold style in this song. She always kept this lesson from her father with her: Raveena Tandon's father, Ravi Tandon, was a well-known producer and director in Hindi cinema, but Raveena Tandon never imagined that her father would launch her in films. Raveena Tandon says, "Papa always taught me to be self-reliant. He came to Mumbai from Agra with nothing and built everything on his own. I also thought I wanted to achieve success in films on my own." I always received inspiration from my father to stand on my own two feet." In an interview, Raveena said, "Whether I was going through the worst phase in my personal life or my career, I learned from my father that honesty, humility, patience, and self-confidence can overcome even the biggest challenges. I remember once my father came to the set of my film and said something. He said that when a child learns to walk, they fall many times, but instead of lying down and lying down, they get up, gather themselves, and take small steps until they learn to walk properly. In life, we must learn to walk with such composure." It should be noted that Ravi Tandon passed away on February 11, 2022. Did Raveena have a crush on Rishi Kapoor? Ravishing Raveena may have been rumored to be in a relationship with Khiladi Kumar, but she had a crush on Rishi Kapoor. Raveena mentioned this during the promotion of "Bombay Velvet." Raveena starred in this film alongside Rishi Kapoor's son, Ranbir Kapoor. According to Raveena, seeing Ranbir reminded her of Rishi Kapoor. She also worked in South Indian cinema and television, working not only in Bollywood but also in Tollywood. She starred in the film "Agnisakshi" with South Indian star Nagarjuna. She also acted in several Telugu films. In 2012, Raveena's other avatar was seen when she hosted a TV show. She hosted the show "Isi Ka Naam Zindagi Hai" for a private channel, highlighting the lives of celebrities. She also worked wonders on OTT platforms: Raveena Tandon has appeared in series like "Aranyak" and "Karma Calling." "Aranyak" was Raveena's first web series on Netflix. She then appeared in "Patna Shukla," which was also released on OTT. Following this, the web series Karma Calling was released on Jio Hotstar. In 2024, Raveena appeared in the OTT film "Ghudchadhi" alongside Sanjay Dutt. What is Raveena's relationship with "Samba" from "Sholay"? - In the film "Sholay," the role of Samba was played by Macmohan, whose real name was Mohan Makhijani. His three words in "Sholay," "Poore Paasch Hazar," became very popular. Did you know that he had a close relationship with Raveena Tandon? Very few people know that Macmohan was actress Raveena Tandon's maternal uncle. He was the one who gave the actress the name Munmun as a child. How did she become the "Mast Mast Girl"? Raveena Tandon also earned the tag of "Mast Mast Girl" in the industry, thanks to her acclaimed film "Mohra." In fact, the song "Tu Cheez Badi Hai Mast Mast" from "Mohra" was a huge hit. It remains a popular song even today. Because of this song, Raveena became known as the "Mast Mast Girl." Raveena Tandon's personal life: In the 90s, her name was linked with several stars. Several reports claimed that she was in a relationship with Akshay Kumar. She even got engaged to him in a temple, but their relationship could not last long. Before marriage, Raveena had adopted two children, Chaaya and Pooja. At that time the actress was only 21 years old. Now both her daughters are married and have children. According to this, she has now become a grandmother. In the year 2004, Raveena married a distributor named Anil Thadani. They also have two children - whose names are Ranbir and Rasha. Raveena's daughter Rasha Thadani has also debuted in Bollywood.